स्टार्टअप द्वारा युवा रोजगार चाहने वाले नहीं बल्कि देने वाले बनें : आयुक्त संदेश नायक

कोटा, (निसं)। सूचना प्रौद्योगिकी संचार विभाग द्वारा आई स्टार्टअप कार्यक्रम की दो दिवसीय कार्यशाला शुक्रवार को सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव संदेश नायक के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई।

आयुक्त ने कार्यशाला में उपस्थित स्टार्टअप के विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान पीढ़ी को जो अवसर प्राप्त हो रहे हैं वह पुरानी पीढ़ी को प्राप्त नहीं थे। उन्हें रोजगार के पीछे ना भागकर स्वयं को रोजगार प्रदाता के रूप में देखना होगा और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाते हुए अपने आपको समाज में स्थापित करना होगा। उन्होंने विस्तार से राज्य सरकार की आई स्टार्टअप योजनाओं की चर्चा की और कहा कि आज की नई पीढ़ी पुरानी पीढ़ी से कहीं अधिक जागरूक और क्षमतावान है। कार्याशाला में संभाग के सभी जिलों से शिक्षण संस्थाओं से आये हुए छात्र-छात्राओं एवं स्वयं सहायता समूहों ने अपने उत्पादों को प्रस्तुत किया जिन्हें देखकर आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव ने कुछ के स्टार्ट के रूप में आगे बढ़ने में पूर्ण संभावना बतायी और डीओआईटी के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव संदेश नायक स्टार्टअप कार्यशाला को संबोधित किया।

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीसी जोशी ने कार्यशाला के दूसरे सत्र में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से आई हुई महिला उद्यमियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कोविड के बाद स्वास्थ्य जागरूरकता का नया दौर शुरू हुआ है और आज सुदुर क्षेत्रों में बैठी महिलाओं के उत्पाद भी उपयोगी बन गये हैं। उनके द्वारा महिला उद्यमियों को आई स्टार्ट से जोड़कर प्रशिक्षण प्राप्त करना और योजनाओं का लाभ उठाकर अपने उत्पादों को आगे बढ़ाने के लिए सुझाव दिये।

उन्होंने शहर के चारों

■ स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यशाला आयोजित

विश्वविद्यालयों में उपलब्ध संसाधानों का समुचित लाभ उठाने का भी परामर्श दिया। कार्यक्रम में राजिविका से जुड़ी ग्रामीण उद्यमियों ने अपने अपने उत्पादों के बारे में जानकारी दी और अपनी समस्याओं के बारे में भी चर्चा की। दोनों सत्रों के प्रश्नोत्तर काल में कोटा के सफल स्टार्टअप और आई स्टार्ट टीम के विशेषज्ञों ने उद्यमियों की समस्याओं को समाधान तक ले जाने के मार्ग बताये और अधिकाधिक उद्यमियों को स्टार्टअप प्रशिक्षण से जुड़कर कार्य करने के लाभ भी बताये। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद् ममता तिवाड़ी ने जिला परिषद के माध्यम से स्टार्टअप के लिए युवाओं को सक्रिय सहयोग दिलाने की बात कही। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक तपन कुमार, एसीपी इन्क्यूबेटर मनोज कुमार मीना तथा सूचना सहायक विकास, सौरभ, सुरेन्द्र एवं नरेन्द्र सहित संभाग भर के युवा उपस्थित रहे।